

Romans 3:19-26  
रोमियो ३:१९-२६

A Saving Grace  
उद्धार देने वाली कृपा

Bryan Chapell  
ब्रायन चैपल

09.10.17  
०९.१०.१७

Introduction: Father taking bee sting in hand  
प्रस्तावना : पिता मधुमक्खी का डंक हाथ में लेते हैं

Consider: In what way does our spiritual condition parallel a child fearing a bee sting?  
ध्यान दे : हमारी आत्मिक स्थिति किस तरह से उस बच्चे जैसी है जो मधुमक्खी के डंक से डरता है ?

Key Question: How can we get out of the situation of being a fearful child before God's wrath?  
मुख्य सवाल : परमेश्वर के डर से हम दूर हो ऐसी स्थिति में हम कैसे रह सकते हैं?

You must realize...  
हमें समझना है.....

- I. Your righteousness won't save you  
तुम्हारी धार्मिकता तुम्हें नहीं बचा सकती
  - a. God's law stifles every excuse we offer (v19)
  - b. God's law reveals the sin of everyone (v20)  
परमेश्वर का नियम सारे पापों को जाहिर करता है (व २०)
- II. God's Righteousness will save you  
परमेश्वर की धर्मिता तुम्हें बचा सकती है
  - a. God's righteousness is made known apart from law (v21a)  
पर अब बिना व्यवस्था परमेश्वर की वह धार्मिकता प्रगट हुई है (व २१ आ)
  - b. God's righteousness is "pointed to" by law + prophets (v21b)  
परमेश्वर की वह धार्मिकता प्रगट हुई है, जिस की गवाही व्यवस्था और भविष्यद्वक्ता देते हैं (व २१ बी)

Key question:  
मुख्य सवाल:

1. What does the righteousness of God reveal?  
परमेश्वर की धार्मिकता क्या प्रगट करती है?
  - a. There are plenty of sinners (v22b-23)  
बहुत सारे लोग पापी हैं (व २२ बी -२३)

b. There is plenty of grace for sinners  
पापी लोगों के लिए बहुत साडी कृपा  
है

i. Courtroom explanation (v24a)  
अदालत का विवरण (व् २४)

ii. Marketplace explanation (v24b)  
बाज़ार का विवरण

iii. Temple explanation (v25)  
मंदिर का विवरण ( व् २४ बी)

Conclusion: receive the gift of Grace by faith  
निष्कर्ष: परमेश्वर की कृपा, भेंट है, उसे स्वीकार करें